

# डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 14, भाग 3 1 राजा 17-18, भाग 3---परमेश्वर कौन है?

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

जब वह एलिय्याह से मिला तो अहाब ने कहा था, तुम ही हो जो इस्राएल के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हो। और एलिय्याह ने उत्तर दिया, नहीं, नहीं, तुम ही हो जो इस्राएल के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे हो। इसलिए, उसने कहा, इस्राएल के सभी लोगों को मेरे पास कर्मल पर्वत पर मिलने के लिए बुलाओ और बाल के 450 नबियों और अशोरा के 400 नबियों को लाओ जो ईज़ेबेल की मेज पर खाते हैं।

अब, इस संघर्ष का स्थान काफी महत्वपूर्ण है। माउंट कार्मेल इस रिज के अंत में है। केंद्रीय रिज देश के दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व तक फैली हुई है।

और फिर इसकी एक उंगली इस ओर जाती है, और माउंट कार्मेल भूमध्य सागर की ओर देखने वाली उस पहाड़ी के ठीक ऊपर है। क्या आपको कुछ पता है कि उसने यह स्थान क्यों चुना? क्योंकि अगर बारिश आती है, तो समुद्र से आएगी। और अगर बिजली गिरती है, तो समुद्र से आने वाले तूफान से गिरेगी।

वह इस संघर्ष को जितना संभव हो उतना तीखा बना रहा है। वह क्यों मांग करता है कि बाल और अशोरा के भविष्यवक्ताओं को इस स्थान पर लाया जाए? फिर से, वह संघर्ष को जितना संभव हो उतना तीखा और स्पष्ट बनाने जा रहा है। वह यहाँ सस्ती जीत हासिल करने का इरादा नहीं रखता है।

वह ईश्वर पर अपने भरोसे के लिए सबकुछ, सबकुछ दांव पर लगा रहा है। वह दुश्मन को उसकी पूरी ताकत, पूरी व्यवस्था के साथ बुला रहा है। ध्यान दें कि वह कहता है कि अशोरा के 400 भविष्यवक्ताओं को रानी, ईज़ेबेल का समर्थन प्राप्त है।

वह उन्हें अपनी मेज़ पर खाना खिलाती है। मुझे लगता है कि यह शाब्दिक नहीं है। मुझे लगता है कि मेज़ बहुत बड़ी होनी चाहिए थी।

लेकिन मुद्दा यह है कि वह उन्हें खाना खिला रही है। वह उन्हें आपूर्ति कर रही है। उसने यहोवा के नबियों को मारने की कोशिश की है।

और जहाँ तक एलिय्याह को पता है, वह वही है। लेकिन, आपने कहावत सुनी होगी, एक प्लस भगवान बहुमत है। और यही बात एलिय्याह यहाँ पर भरोसा कर रहा है।

अब, वह उनसे कहता है, तुम कब तक, यह न्यू इंटरनेशनल वर्जन है, तुम कब तक दो मतों के बीच झूलते रहोगे? हिब्रू में लंगड़ाने का विचार सुझाया गया है। तुम कब तक दो मतों के बीच लंगड़ाते रहोगे? तुम कब तक बीच में खड़े रहने की कोशिश करोगे? अब, वह ऐसा क्यों करता है? वह उनसे क्यों कहता है, तुम्हें चुनना होगा? वे बाल और यहोवा की पूजा क्यों नहीं कर सकते?

हम रविवार को प्रभु की और सप्ताह के बाकी दिनों में दुनिया की पूजा क्यों नहीं कर सकते? हम एक दिन भगवान पर अपना भरोसा क्यों नहीं जता सकते और यह क्यों नहीं दिखा सकते कि हम सप्ताह के बाकी दिनों में खुद पर भरोसा कर रहे हैं? बुतपरस्ती अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ करने का प्रयास है। बस इतना ही।

अब, प्राचीन मूर्तिपूजकों ने महसूस किया कि प्रकृति को नियंत्रित करने का सबसे अच्छा तरीका इसे मानवीय बनाना है, इन शक्तियों पर चेहरे लगाना है। क्योंकि, हम सोचते हैं कि हम जानते हैं कि मनुष्यों को कैसे नियंत्रित किया जाए। हमने चेहरे उतार दिए हैं, लेकिन सिद्धांत बिल्कुल वही है।

हम सोचते हैं कि हम भौतिक रूप से, या शारीरिक रूप से, या किसी अन्य तरीके से शक्तियों को नियंत्रित कर सकते हैं। लेकिन हम पृथ्वी पर रहने वाले किसी भी व्यक्ति की तरह ही गहरे बुतपरस्त हैं। अब, हमें क्यों चुनना है? यीशु ने भी यही बात कही थी।

आप भगवान और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते। हम धन को धन समझते हैं, लेकिन यह वास्तव में उससे कहीं ज़्यादा है। यह भौतिक दुनिया है।

हमें क्यों चुनना है? आह, आह, क्योंकि यहोवा यह दुनिया नहीं है। उसे इस दुनिया का हिस्सा बनाने की कोशिश करो, और तुम उसे एक और मूर्ति में बदल दोगे, और तुम उसे कुछ भी नहीं बना पाओगे। हमें दुनिया पर भरोसा करने और दुनिया को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता और यहोवा पर भरोसा करने के बीच चुनाव करना होगा।

अब, क्या वह हमारी योग्यताओं का उपयोग करेगा? क्या वह हमें आशीर्वाद देने के लिए इस संसार का उपयोग करेगा जो उसने हमें दिया है? बेशक, वह करेगा। लेकिन सवाल यह है कि हमारी निष्ठा कहाँ है? जैसा कि हमने अध्याय 15 को देखते हुए कहा, एक परिपूर्ण हृदय क्या है? यह एक ऐसा हृदय है जो पूरी तरह से यहोवा के प्रति समर्पित है। कोई अगर, कोई और, कोई लेकिन नहीं।

कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं, कोई सीमा नहीं। यही तो भगवान चाहते हैं। वह चाहते हैं कि आप और मैं एक परिपूर्ण हृदय रखें।

और यही बात एलिजा इन लोगों के सामने रख रही है। आप दोनों को नहीं पा सकते। या तो आपके पास वह ईश्वर है जो इस दुनिया में नहीं है, जिसे नियंत्रित नहीं किया जा सकता, जो आपसे प्यार करता है, जो आपकी देखभाल करना चाहता है, जो आपको आशीर्वाद देना चाहता है, या आपको चुनना होगा, मैं खुद ही यह कर लूंगा।

क्या तुम ऐसा करोगे? क्या मैं ऐसा करूंगा? क्या हम अपनी इच्छाओं को खुद ही संतुष्ट करने के अपने प्रयासों को छोड़ देंगे? यही एलिय्याह का आह्वान है। तो, वह कहता है, ठीक है, यह रहा। हम में से प्रत्येक एक बैल को एक वेदी पर काटकर रखेगा।

और तुम प्रार्थना करो, और मैं प्रार्थना करूँगा। और जो भी भगवान आग, बिजली से उत्तर देगा। वह जानता है कि बाल कौन है।

वह जानता है कि बाल का प्रतिनिधित्व किस तरह किया जाता है। जो भी भगवान बिजली के बोल्ट से जवाब देता है, वह भगवान है। इसलिए, उसने लड़ाई को सीधे बाल के दरबार में ले लिया है।

क्या आपको लगता है कि बाल तूफ़ान का देवता है? नहीं, नहीं, नहीं, यही है। और देखते हैं कि यह सच है या नहीं। देखते हैं कि मैं सही हूँ या गलत।

और इस तरह, हम बाल के नबियों की तस्वीर देखते हैं। बाल, हमें जवाब दो, वे चिल्लाए। लेकिन कोई जवाब नहीं आया।

किसी ने जवाब नहीं दिया। वे अपनी बनाई हुई वेदी के चारों ओर नाच रहे थे। वे अनुष्ठान कर रहे थे।

अब, पतझड़ में, वनस्पति देवता मर गया। और यह एक वास्तविक प्रश्न है। क्या वह वसंत में वापस आएगा? वह पाताल लोक में चला गया है, जो एक संस्करण है।

क्या अंडरवर्ल्ड उसे इस तरह से जकड़ कर रखेगा कि वह फिर से बाहर न निकल सके? अगर वह वसंत में वापस नहीं आता है, तो हम सब मर जाएँगे। आप क्या करेंगे? आप उसे सबसे अच्छा अंतिम संस्कार देंगे जो आप दे सकते हैं। आप उसे बताएँगे कि आप कितने दुखी हैं।

आप कितने दुखी हैं कि उसके साथ यह भयानक घटना घटी है। तो, वह कहेगा, वाह, वाह, क्या वे लोग अच्छे नहीं हैं? क्या वे मुझसे प्यार नहीं करते? मुझे लगता है कि मैं वसंत में वापस आऊँगा। आप वास्तव में कैसे दिखाते हैं कि आप कितने दुखी हैं? आप खुद को काट लेते हैं।

वे यही कर रहे थे। वे बाल के लिए अंतिम संस्कार की रस्म कर रहे थे। कोशिश कर रहे थे कि वह वसंत में वापस न आए, बल्कि अभी वापस आए।

और एलिजा, ओह माय। वह तो बस उनका मज़ाक उड़ाता है। ओह, ठीक है, थोड़ा ज़ोर से चिल्लाओ।

तुमने भगवान को इस दुनिया में सीमित कर दिया है। तो, वह भगवान है, है न? शायद वह किसी इंसान की तरह गहरे विचारों में डूबा हुआ है। शायद वह व्यस्त है।

अब, लगभग निश्चित रूप से, वह यहाँ सीमाओं से परे चला जाता है। हिब्रू में कहा गया है, शायद वह खुद ही आगे बढ़ रहा है। अंग्रेजी संस्करण कुछ इस तरह कहेंगे, शायद वह यात्रा पर है।

लेकिन यह लगभग तय है कि वह कह रहा है कि शायद वह बाथरूम में है। तुमने उसे अपने जैसा बना दिया है। तुमने उसे एक इंसान बना दिया है।

खैर, वह वास्तव में इंसान है, है न? आपकी तरह ही, वह शौचालय जा रहा है। इसलिए, वे ज़ोर से चिल्लाए और खुद को घायल कर लिया। उन्होंने अपनी उन्मत्त भविष्यवाणी जारी रखी।

तो, फिर से, वे बड़बड़ा रहे हैं। वे चिल्ला रहे हैं। कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई।

किसी ने जवाब नहीं दिया। किसी ने ध्यान नहीं दिया। यह श्लोक 29 है।

आपको लगता है कि लेखक कोई बात कहना चाह रहा है, है न? कोई जवाब नहीं। किसी ने जवाब नहीं दिया। किसी ने ध्यान नहीं दिया।

और एलिय्याह ने क्या किया? खैर, सबसे पहले, उसने मामले को और भी बदतर बना दिया। माउंट कार्मेल के तल पर एक बड़ा झरना है। और जाहिर है, यह सूखा नहीं था।

और इसलिए, उसने लोगों को वेदी को भिगोने के लिए तीन बार पहाड़ पर चढ़ने और उतरने को कहा। बलि को भिगोएँ - और अब, ध्यान दें।

मैं बस यही बात कहना चाहता हूँ। प्रभु, अब्राहम, इसहाक और इस्राएल का परमेश्वर। जिसने पीढ़ियों से खुद को वफ़ादार साबित किया है।

आज यह जान लो कि तुम ही इस्राएल में परमेश्वर हो। तब ये लोग जान लेंगे कि मैं तुम्हारा सेवक हूँ। मैंने वही किया है जो तुमने आज्ञा दी थी।

आपने कहा है। हे प्रभु, मुझे उत्तर दीजिए। मुझे उत्तर दीजिए ताकि ये लोग जान सकें कि हे प्रभु, आप ही ईश्वर हैं।

और आप उनके दिलों को फिर से अपनी ओर मोड़ रहे हैं। मैं सिर्फ़ यह नहीं चाहता कि वे पहचानें कि यहाँ कौन प्रभारी है। मैं चाहता हूँ कि आप उन्हें वापस अपनी ओर मोड़ें।

कोई अनुष्ठान नहीं। कोई जादू नहीं। प्रार्थना।

सीधा-सादा। स्पष्ट। परमेश्वर ने अतीत में जो किया है, उसके आधार पर।

इस लक्ष्य के साथ कि वह जाना जाए। और लोगों के दिल उसकी ओर मुड़ें। धम्म! बिजली गिरी।

बलि की वेदी को जला दिया। उसके चारों ओर का पानी सुखा दिया। और लोग इतने समझदार थे कि उन्हें सही जवाब मिल गया।

यहोवा, वह ईश्वर है। यहोवा, वह ईश्वर है। कोई अगर नहीं, कोई और नहीं, कोई परन्तु नहीं।

वही चीज़ जिसे बाल का गुण माना जाता था। वह सर्वशक्तिमान शक्ति। और इस मामले में, ऐसा लगता है कि यह साफ़ आसमान से आई है।

यहोवा। यहोवा परमेश्वर है। और वही लोग हैं जिन्होंने एलिय्याह को टुकड़े-टुकड़े कर दिया था।

यदि बाल ने उत्तर दिया है, तो अब मुझे और एलिय्याह की आज्ञा पर चलो।

बाल के नबियों को फाड़ डालो। अब यह दिलचस्प है। टिप्पणीकार आश्चर्य करते हैं, अशोरा के नबियों के बारे में क्या? क्या वे भाग गए? या वे दिखाई नहीं दिए? हमें पक्का पता नहीं है।

यह एक दिलचस्प सवाल है। और फिर एलिय्याह कहता है। ठीक है, अहाब।

बेहतर होगा कि तुम दोपहर का खाना खा लो। क्योंकि बारिश होने वाली है, बारिश होने वाली है।

और वह एक लड़के को पहाड़ की चोटी पर भेजता है। और कहता है, क्या तुम्हें वहाँ कोई बादल दिख रहा है? नहीं। वह ज़मीन पर झुक गया।

अपना चेहरा घुटनों के बीच रखो। कुछ भी? नहीं। वापस जाओ।

कोई अनुष्ठान नहीं। कोई उन्मत्त बकबक नहीं। नहीं। वापस जाओ। नहीं। वापस जाओ। नहीं। एक बार फिर। अच्छा, वहाँ एक छोटा सा बादल है। लगभग एक आदमी के हाथ जितना बड़ा। अहाब। अपने रथ में बैठो।

वापस यिज़ेल की ओर चले जाओ, क्योंकि मैं तुम्हें बताता हूँ कि वहाँ बारिश होने वाली है।

जब मैं बच्चा था और संडे स्कूल में पढ़ता था, तो हमारे पास पोस्टर आकार के चित्र होते थे।

इसे बुलेटिन बोर्ड पर लगा दिया गया। और अगर आपको कक्षा में सबसे अच्छा व्यवहार करने वाला छात्र माना गया।

एक महीने के लिए। आपको अपनी तस्वीर चुननी होती है। मुझे पता था कि मुझे कौन सी तस्वीर चाहिए।

यह एक रथ की तस्वीर है। जिसे तीन सफ़ेद घोड़े खींच रहे हैं। यह बहुत ही उन्मत्त है। पूरी गति से सरपट दौड़ रहा है। रथ में एक राजा है। वह मुकुट पहने हुए है, और घोड़ों को चाबुक से चला रहा है।

और उसके पीछे काले बादल छाए हुए हैं। और उनके सामने यह बूढ़ा आदमी है।

उसकी दाढ़ी कंधे पर लटक रही थी। उसे अपना मिल गया। रोब घुटनों के आसपास खिंचा हुआ था।

और वह बस सड़क पर भाग रहा है। वह अहाब से पहले यिज़ेल की ओर भाग गया।

अब। मुझे लगता है कि यह संभव है। यह माउंट कार्मेल से जेज़्रेल तक सीधा शॉट है। यह यहाँ जेज़्रेल घाटी के किनारे से होकर गुज़रेगा और बारिश के मौसम में यह घाटी बहुत दलदली हो जाती है। इसलिए, मुझे लगता है कि यह संभव है।

अहाब इस तरह से घूम गया। और एलिय्याह ने कोने को काट दिया। लेकिन बात दिन के अंत तक है। परमेश्वर। अपने सेवकों को अपनी महिमा के लिए इस्तेमाल करने में सक्षम है।

बारिश हुई। परमेश्वर कौन है? यहोवा। तो, शुरुआती लड़ाई जीत ली गई है। एक तरह से जीत हासिल की।

लेकिन सवाल यह होगा: आगे क्या होगा? इस युद्ध में आगे क्या होगा? क्या एक लड़ाई काफी है? या यहोवा के दृढ़ शत्रुओं को हराने के लिए और भी बहुत कुछ करना होगा। - दृढ़ शत्रु। जो उसके चारों ओर है।

हम इन अध्यायों से क्या सीखेंगे? खैर।

ईश्वर ईश्वर है। कोई दूसरा ईश्वर नहीं है।

वह ईश्वर है जो जाना जाना चाहता है और जो बोलता है।

सुनाई नहीं देता, लेकिन फिर भी स्पष्ट रूप से। उसने अपने शब्दों में कहा है।

उन्होंने अपने बेटे के माध्यम से बात की है। वे हमारे दिलों में बोलते हैं। वे जाना जाना चाहते हैं।

और उसे जानना उस पर भरोसा करना है।

उस पर भरोसा करना उसके सामने आत्मसमर्पण करना है।

और उसके सामने आत्मसमर्पण करना, हमारे लिए, और दुनिया के लिए, उसकी भलाई के लिए उसके अधीन होना है।

भगवान आपका भला करे।